॥ श्रीः ॥

श्रीमत्पंडितराजजगन्नाथप्रणीत

भामिनी-विलास।

नामक संस्कृत काव्यका अवधमंडलांतर्गत रायबरेलीप्रांतस्थदौलतपुरनिवासी महावीर प्रसाद द्विवेदी हेड टेलीग्राफइन्स्पेक्टर आय० यम० रेलवे झांसी विरचित मूलश्लोकसहित देवनागरी

भाषानुवाद।

इसको

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदासने

अपने "लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापेखानेमें

छापकर प्रसिद्ध किया।

संवत् १९८२, शाके १८४७.

कल्याण-मुंबई.